	भाग अ – परिचय		
कार्यक्रम का प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष (ताल वाद्य)	सत्र: 2025–26	

क्रं.		A1-MSTV2T
1	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत का इतिहास (प्रश्न पत्र –2)
2	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / तबला / पखावज)	माइनर –2 (सैद्धांतिक)
3	पूर्वापेक्षा (Pre-riquisite)यदि कोई हो	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय संगीत कक्षा / 12वीं / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा में किया हो।
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. संगीत की उत्पत्ति के विभिन्न मतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना। 2. अपने वाद्ययंत्र का ज्ञान एवं उनके अंगों का ज्ञान। 3. तबला / पखावज के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी का ज्ञान कराना। 4. मुख्य संगीतज्ञों की जानकारी एवं उनके सांगीतिक योगदान की जानकारी कराना। 5. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन एवं उसमें निहित रोजगार के अवसरों से परिचित कराना।
5	क्रेडिट मान	02
6	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब– पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या –ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P:**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
i	**भारतीय प्राचीन सांगीतिक ग्रथों के आधार पर –** संगीत की उत्पत्ति की विभिन्न अवधारणायें 1. धार्मिक मत 2. प्राकृतिक मत 3. मनोवैज्ञानिक गतिविधि– इकाई से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का निर्माण।	06 घंटे
ii	1. भारतीय संगीत के वैदिक कालीन इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन 2. तबला / पखावज वाद्य की उत्पत्ति एवं वाद्य का सचित्र वर्णन। गतिविधि– 1. तबला एवं पखावज के विभिन्न अंगों को चित्र द्वारा प्रदर्शित करना।	06 घंटे
iii	1. निम्नांकित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान। पं. राम सहाय, उ0 जाकिर हुसैन, उ0 अहमद जान थिरकवा, पं. कुदऊ सिंह। 2. अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण दोषों का अध्ययन। गतिविधि– वादकों के गुण एवं दोष विषय पर समूह चर्चा।	08 घंटे
IV	1. घरानों का आशय एवं महत्व । 2. संगीत शिक्षण में घरानों की उपयोगिता। गतिविधि– तबला / पखावज के सभी घरानों के संस्थापकों का क्रमबद्ध फ्लो चार्ट तैयार करना।	10 घंटे

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ / अन्य / पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री: लेखक उपनाम, प्रथमाक्षर "पुस्तक शीर्षक" प्रकाशन नाम, शहर / संस्करण न. यदि कोई हो। 1. संगीत विशारद, बसंत, प्रकाशन–लक्ष्मीनारायण गर्ग, संगीत कार्यलय हाथरस 2. भारतीय संगीत का इतिहास, उमेश जोशी, मानसरोवर प्रकाशन फिरोजाबाद 3. ताल प्रकाश, डॉ0 भगवत शरण शर्मा, संगीत कार्यालय हाथरस। अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:		
भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यावक मुल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक :70		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टैस्ट / असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रजेंटेशन)	कुल अंक 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न(प्रत्येक 50 शब्द) अनुभग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(प्रत्येक 500 शब्द)	03x03=09 04x08=32 02x15=30 कुल अंक 70

Dr. Nagesh Kumar Tripathi
Deptt. of Music
T.R.S. College, Rewa (M.P.)

		Part A Intrduction	
Program: Certificate Course		Class BA 1st Year	Session: 2025-26
Subject : Taal Vadhya (Tabla/Pakhawaj)			
1	Course Code	A1-MSTV1T	
2	Course Title	General Principles of Music(Paper-II)	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/..tabla/pakhawaj)	Minor-II (Theory)	
4	Pre-requisit (if any)	To study this course, a student must have had the subject music in class/12th /certificate/diploma. This course can be opted as an elective by the students of following subjects:...../Open for all	
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. Introduce students with different views on the origin of music. 2. Knowledge of your Instrument and their parts. 3. Knowledge of histrolical information of gharanas of tabla/pakhawaj. 4. To get information about the main musicians and their musical contribution. 5. To organise musical programmes and make them aware about the employment opportunities contained therein.	
6	Credit Value	02	
7	Total Marks	Max Marks 30+70 Minimam Passing Marks- 35	

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures
I	**Based on ancient Indian musical texts.** Different concepts of music origins. 1. Religious opinion. 2. Natural opinion. 3. Psychological opinion. **Activity-** Preparation of objective type questions related to the unit.	5 hr
II	1. A brief study of vedic history of Indian music. 2. Origin of tabla /pakhawaj Instrument and illustrated description of the instrument. **Activity-** Displaying various parts of tabla and pakhawaj through pictures.	6 hr

III	1. Biography and musical contribution of the following musicians- Pt. Ramsahay, Ut. Zakir Hussain, Ut. Ahmad Jan Thirkawa, Pt. Kudaoo Singh. 2. Study of the merits and dmerits of percussion instrument players. **Activity-** Group discussion on the merits and demerits of the instrument players.	9 hr
iv	1. Meaning and importence of gharanas 2. Utility of gharana in music training. **Activity- 1** To prepare a systematic flowchart of the founders of all gharanas of tabla/pakhawaj.	10 hr

Keywords/Tags:		
Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: Author Surname, Initials "Book Title", ,Publisher's name. City/country of publication. year of publication. Edition No. if any 1. Sangeet visharad, Vasant, Laxmi Narayan publication, sangeet karyalaya hathras 2. Bhartiy Sangeet ka Itihas, Umesh Joshi, Mansarovar Prakasan Firojabad . 3. Taal Prakash, Dr. Bhagwat Sharan Sharma. , sangeet karyalaya hathras. Suggestive Digital platforms web links		
Suggested equivalent online Courses:		
Part D- Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods: Maximum Marks: 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCF): 30 marks University Exam (UF)70Marks		
Internal Assessment : Continuous Comprehensiv Evaluation (CCE):30	Class Test Assignment/Presention	15 15
Internal Assessment : University Exam Section:70	**Section (A):** Three Very Short Questions (50 Words Each) **Section (B):** Four Short Questions (200 Words Each) **Section (C):** Two Long Questions(500 Words Each)	03 x 03= 09 04 x 08 = 32 02 x 15 = 30 Total 70

Dr. Negesh Kumar Tripathi
Deptt. of Music
T.R.S. College, Rewa (M.P.)

	भाग अ – परिचय	
कार्यक्रम का प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष (ताल वाद्य)	सत्र: 2025–26

क्र.	A1-MSTV2P
1	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रायोगिक प्रश्न पत्र 2
2	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/तबला/पखावज)	माइनर
3	पूर्वापेक्षा (Pre-riquisite)यदि कोई हो	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय संगीत कक्षा/12वीं /प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो। इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है: सभी के लिए उपलब्ध
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. अपने वाद्य यंत्रों पर प्रारंभिक मिश्रित वर्णो का रखाव एवं हाथ के रखाव की जानकारी कराना। 2. लय आशय एवं दुगुन की जानकारी एवं तालो को बजाने की क्षमता विकसित होगी। 3. सुगम एवं लोकसंगीत में प्रारंभिक ठेकों की संगति की जानकारी । 4. राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत एवं क्षेत्रीय लोकसंगीतों में तबला संगति की प्रारंभिक जानकारी के द्वारा वादन की क्षमता विकसित होगी।
5	क्रेडिट मान	02
6	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35

भाग ब– पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या –ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
i	तबला/पखावज के दायें एवं बायें से निकलने वाले प्रारंभिक मिश्रित वर्णों(बोलो) का अभ्यास एवं निकास विधि।	10 घंटे
ii	तीनताल में प्रारम्भिक कायदा (तिट वर्णयुक्त) बजाने का अभ्यास एवं पाठ्यक्रम की तालों को दुगुन लय में बजाने का ज्ञान। तीनताल, झपताल, कहरवा, दादरा।	8 घंटे
iii	कहरवा, दादरा को ठाह, दुगुन में बजाने का अभ्यास एवं इनके दो प्रकारों का वादन करने की क्षमता।	6 घंटे
iv	राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत अथवा क्षेत्रीय लोकगीतों ठेकों सहित संगति की क्षमता	6 घंटे

Dr. Mayesh Kumar Tiwari
Deptt. of Music

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, सदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रथ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री: 1. तबला कौमुदी भाग–1 पं. रामशंकर पागलदास, चौखम्बा प्रकाशन–वाराणासी। 2. ताल परिचय भाग–1,2 डॉ. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव साउथ मालाका इलाहाबाद।
भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ:
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	10	प्रायोगिक मौखिक (बायवा)	45
उपस्थिति	10	प्रायोगिक रिकार्ड फाइल	10
असाइनमेंट(चार्ट / माडल / सेमिनार / ग्रमीण सेवा / प्रौद्योगिकी प्रसार / भ्रमण(कसकर्शन)की रिपोर्ट / सर्वेक्षण / प्रयोगशाला भ्रमण(लैब विजिट) / औद्योगिक यात्रा	10	टेवल वर्क / प्रयोग	15
कुल अंक	30		70

Dr. Nigesh Kumar Tripathi
Deptt. of Music
T.R.S. College, Rewa (M.P.)

	Part A Intrduction		
Program: Certificate Course	Class BA 1st Year	Session: 2025-26	
Subject : Taal Vadhya (Tabla/Pakhawaj)			
1	Course Code	A1-MSTV2P	
2	Course Title	Practical Paper- II	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/..)	Core Course (Minor)	
4	Pre-requisit (if any)	To study this course, a student must have had the subject music in class/12th /certificate/diploma. ..... This course can be opted as an elective by the students of following subjects:...../Open for all	
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. To introduce the preliminary mixed varn and doing information of holding hands on your instruments. 2. The meaning if laya (rhythm) and Knowledge of dugun and the ability to play taal will develop. 3. Information of accompaniment preliminary thekas in light music and folk music. 4. Initial Knowledge of tabla accompaniment in the national anthem, national song and folk song will develop the versatility playing.	
6	Credit Value	02	
7	Total Marks	Max Marks 30+70	

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures
I	Practice of preliminary mixed varna (bals) of right and left of the table/pakhawaj and method of playing that.	15 hr
II	Practice of playing basic kayada (Tita Varna) in Teentaal and Practice of dugun laya of syllabus- teentaal, jhaptaal, kaherwa, dadra.	15 hr
III	Practice of kaherwa and dadra in thah, dugun and the ability to play 2 types of them.	15 hr
iv	Ability of perform in national anthom, national song and folk songs.	15 hr

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

Author Surname, Initials "Book Title", ,Publisher's name. City/country of publication. year of publication. Edition No. if any

1. Tabla Koumudi Part-1, Pt. Ramshankar Pagaldas, Choukhamba Publication Varanasi
2. Taal Parichay Part-1,2 Dr. Girish Chandra shrivastava , South malaka Allahabad.

. Suggestive Digital platforms web links-

Suggested equivalent online Courses:

Part D- Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assignments	Marks
Class Interaction/Quiz	10		45
Attendance	10		15
Assignments (Charts/Model Seminar/Rural Service/Technology Dissemination/Report of Excursion/Lab Visits/Survey/Industrial Visit)	10		10
Total	30		70

Deptt. of Music
T.R.S. College, Rewa (M.P.)